



S. S. 72

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 201]
No. 201]

नई विल्ली, शनिवार, मई 16, 1981/वैसाख 26, 1903
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 16, 1981/VAISAKHA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(आयोगिक विकास विभाग)
आदेश

नई विल्ली, 16 मई, 1981

का. आ. 371 (अ)।—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास विभाग और विनियमन) अधिनियम, 1961 (1961 का 50) की धारा 18-खस्त की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (आयोगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 354 (अ), तारीख 28 मई, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) घोषित किया था कि 25 मई, 1978 से ठोक पूर्व प्रबृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थाएँ, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का प्रबोर्त, जिनका बंगाल इम्प्रिन्टी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक आयोगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखते थे जो उक्त अधियोगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, 18 मई, 1979 तक निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोत्स्थूल या उत्स्थूल सभी अधिकार, विधायिकार और विधियत्व उक्त अधिकार सके निलम्बित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (आयोगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 163 (अ), तारीख 19 मार्च, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1980 तक सौर विस्तारित कर दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (आयोगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 323 (अ), तारीख 17 मई, 1980 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1981 तक और विस्तारित कर दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1982 तक और विस्तारित कर दी जानी चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1961 (1961 का 65) की धारा 18-खस्त की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1982 तक और विस्तारित करती है।

[पा. सं. 4 (1)/77-सीयूएस]

चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

Now Delhi, the 16th May, 1981

S.O. 371(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Dept. of Industrial Development) No. S.O. 354(E), dated the 25th May, 1978, (hereinafter referred to as the said Order), the Central

Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments, in force immediately before the 25th May, 1978 to which the industrial undertaking known as Bengal Immunity Company Limited, Calcutta or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company, shall remain suspended upto 18th May, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. No. 166(E), dated the 29th March, 1979, the duration of the said Order was extended for a further

period upto the 17th May, 1980;

And whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. No. 325(E), dated the 17th May, 1980 the duration of the said Order was extended for a further period upto the 17th May, 1981.

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 17th May, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto the 17th May, 1982.

[F. No. 4(1) 77-CUS]
C. K. MODI, Jt. Secy.